# SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

## Geographer

भूगोलवेत्ता पृथ्वी, भू-दृश्य, जलवायु और मानव बस्तियों का अध्ययन कर नगर नियोजन, पर्यावरण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में समाधान देते हैं। आधुनिक भूगोल में जी.आई.एस. और उपग्रह डेटा का बड़ा स्थान है।

### इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/socst-4565

### राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

**सुशील कुमार शर्मा**
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

**श्री चेनाराम चौधरी**
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

**श्रीमती संघमित्रा**
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

**भरत चौधरी**
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)



विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

**सुरेन्द्र सिंह राठौड़**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

**सुरेश कुमार सैन**
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**वनिता कुमारी**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**कमलेश चौधरी**
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)



यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

## 1 यह करियर क्या है

भूगोलवेत्ता पृथ्वी, भू-दृश्य, जलवायु और मानव बस्तियों का अध्ययन कर नगर नियोजन, पर्यावरण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में समाधान देते हैं। आधुनिक भूगोल में जी.आई.एस. और उपग्रह डेटा का बड़ा स्थान है।

## 2 एक नज़र में

| | |
|---|---|
| न्यूनतम योग्यता | 12वीं (कला/विज्ञान) + भूगोल/पृथ्वी विज्ञान में स्नातक; जी.आई.एस. में पी.जी. लाभदायक |
| कार्य-शैली | कार्यालय व कंप्यूटर कार्य + फ़ील्डवर्क व यात्रा |
| माँग | बढ़ती — जी.आई.एस., स्मार्ट सिटी, जलवायु व आपदा प्रबंधन परियोजनाओं में |
| शीर्ष आय | वरिष्ठ जी.आई.एस./सर्वेक्षण प्रबंधक स्तर पर ₹1.8 लाख+/माह |

## 3 क्या-क्या चाहिए

### रुचियाँ

- भूगोल, नक्शों और प्रकृति में रुचि
- डेटा का विश्लेषण और व्याख्या पसंद
- कंप्यूटर व नई तकनीक के साथ सहजता

### क्षमताएँ

- स्थानिक (स्पेशियल) सोच और अवलोकन क्षमता
- विश्लेषणात्मक व गणितीय क्षमता
- कुशल संवाद क्षमता

### ज़रूरी कौशल

- जी.आई.एस. सॉफ़्टवेयर (क्यू.जी.आई.एस., आर्कजी.आई.एस.)
- रिमोट सेंसिंग व उपग्रह चित्र विश्लेषण
- मानचित्रण (कार्टोग्राफी) व सर्वेक्षण
- सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण
- फ़ील्डवर्क व डेटा संग्रह
- रिपोर्ट लेखन व प्रस्तुति

## 4 कैसे पहुँचें

1. कला या विज्ञान संकाय से 12वीं पूरी करें; भूगोल विषय रखें।
2. भूगोल/पृथ्वी विज्ञान में स्नातक (बी.ए./बी.एस-सी.) करें।
3. भूगोल, जी.आई.एस.-रिमोट सेंसिंग, नगर नियोजन या जलवायु विज्ञान में मास्टर करें।
4. आई.आई.आर.एस. देहरादून जैसे संस्थानों से जी.आई.एस. सर्टिफिकेट कोर्स करें।
5. सर्वेक्षण एजेंसियों, नगर निकायों या जी.आई.एस. कंपनियों में इंटर्नशिप/नौकरी से शुरुआत करें; शोध हेतु पी.एच.डी.।

### प्रमुख परीक्षाएँ

- सी.यू.ई.टी. (यू.जी./पी.जी.) — विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु
- गेट (जियोमैटिक्स) — तकनीकी पी.जी. हेतु
- यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. (भूगोल) — शिक्षण व शोध हेतु

## 5 कहाँ से पढ़ें

### सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan (Department of Geography) — जयपुर, राजस्थान
- Jai Narain Vyas University — जोधपुर, राजस्थान
- Mohanlal Sukhadia University — उदयपुर, राजस्थान
- Delhi School of Economics/Miranda House, University of Delhi — नई दिल्ली
- Indian Institute of Remote Sensing (ISRO) — देहरादून, उत्तराखंड
- Jawaharlal Nehru University (CSRD) — नई दिल्ली

### निजी संस्थान

- NIMS University — जयपुर, राजस्थान
- Banasthali Vidyapith — टोंक, राजस्थान
- Symbiosis Institute of Geoinformatics — पुणे, महाराष्ट्र

### ऑनलाइन

- IGNOU (M.A. Geography, distance) — दूरस्थ शिक्षा
- IIRS-ISRO free online GIS/remote sensing courses — ऑनलाइन

### फ़ीस

कोर्स फीस लगभग ₹3,000 से ₹1,50,000 तक; सरकारी विश्वविद्यालयों व इग्नू में काफी कम। संस्थान अनुसार भिन्न।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (https://scholarships.gov.in)
- Rajasthan CM Higher Education Scholarship (HTE) (https://hte.rajasthan.gov.in)
- Vidya Lakshmi Education Loan Portal (https://www.vidyalakshmi.co.in)

## 6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

राज्य/केंद्र सरकार के विभाग, नगर नियोजन निकाय, इंजीनियरिंग-वास्तुकला फर्में, जी.आई.एस. कंपनियाँ, स्कूल-कॉलेज और शोध संस्थान।

कार्य-संस्कृति

डेटा एकत्र करने व भू-दृश्य के अवलोकन हेतु दूरस्थ स्थानों की यात्रा संभव; बाकी समय कंप्यूटर आधारित विश्लेषण। दिव्यांगों के लिए अवसर उपलब्ध।

कौन नौकरी देता है

- भारतीय सर्वेक्षण विभाग व इसरो केंद्र
- जी.आई.एस./मैपिंग कंपनियाँ — ई.एस.आर.आई. इंडिया, जेनेसिस, मैपमायइंडिया
- स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय
- राजस्थान नगर नियोजन विभाग व स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ
- पर्यावरण व आपदा प्रबंधन एजेंसियाँ
- अंतरराष्ट्रीय संगठन व शोध परियोजनाएँ

माँग (2026)

स्मार्ट सिटी, जल जीवन मिशन, जलवायु अध्ययन और ड्रोन-आधारित मानचित्रण के विस्तार से 2026 में जी.आई.एस.-कुशल भूगोलवेत्ताओं की माँग तेज़ी से बढ़ रही है।

## 7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सर्वेक्षण/कार्टोग्राफिक तकनीशियन
2. जी.आई.एस. विशेषज्ञ/भूमि सर्वेक्षक
3. जी.आई.एस. पर्यवेक्षक
4. सर्वेक्षण प्रबंधक/विभाग प्रमुख

कमाई

| | |
|---|---|
| शुरुआत | ₹25,000-40,000 |
| मध्य स्तर | ₹50,000-90,000 |
| वरिष्ठ स्तर | ₹1,00,000-1,80,000 |

जी.आई.एस./रिमोट सेंसिंग कौशल और अनुभव के साथ आय तेज़ी से बढ़ती है; शिक्षण में यू.जी.सी. वेतनमान लागू।

## 8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

**अच्छी बातें**

- प्रकृति, तकनीक और समाज तीनों से जुड़ा काम
- जी.आई.एस. कौशल से कई उद्योगों में अवसर
- फ़ील्डवर्क व यात्रा का रोमांच

**चुनौतियाँ**

- दूरस्थ क्षेत्रों में कठिन फ़ील्डवर्क
- शुद्ध शैक्षणिक पदों में धीमी वृद्धि
- तकनीक लगातार सीखते रहना ज़रूरी

## 9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

**Chandra Shekhar Balachandran**
**भूगोलवेत्ता — द इंस्टीट्यूट ऑफ जियोग्राफिकल स्टडीज़ के संस्थापक-निदेशक**

डॉ. चंद्रशेखर बालचंद्रन ने अमेरिका में दो दशक पढ़ाई-काम के बाद भारत लौटकर 2000 में बेंगलुरु में टी.आई.जी.एस. की स्थापना की, जो स्कूली बच्चों में भूगोल को जीवन से जोड़कर लोकप्रिय बना रहा है।

Pothi.com interview · https://pothi.com/blog/2020/10/08/interview-chandra-shekhar-balachandran-tigs/

**Prof. Anu Kapur**
**प्रोफेसर, भूगोल — दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय**

प्रो. अनु कपूर ने स्नातक से पी.एच.डी. तक भूगोल पढ़कर दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनीं; आपदाओं और भारत के भूगोल पर उनकी पुस्तकों को 2012 का अमर्त्य सेन पुरस्कार मिला।

Department of Geography, University of Delhi · https://sites.google.com/geography.du.ac.in/web/people/faculty-members/prof-anu-kapur

## 10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- क्यूरेटर
- कार्टोग्राफर

## 11 स्रोत व आगे पढ़ें

**1.** राजस्थान करियर गाइडेंस पोर्टल — भूगोलवेत्ता पृष्ठ — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/geographer-%e0%a4%ad%e0%a5%82%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a4%b5%e0%a5%87%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%be/

**2.** राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल — https://www.ncs.gov.in

**3.** राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in

**4.** यू.जी.सी. — मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय सूची — https://www.ugc.gov.in

**5.** एन.आई.आर.एफ. संस्थान रैंकिंग — https://www.nirfindia.org

**और 770+ करियर — पूरा पोर्टल**

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

**career.gsssjethantri.in**